सराफा से जेवर चोरी करने वाले चार भाई-बहन गिरफ्तार

60 से अधिक सीसीटीवी खंगालने के बाद पुलिस को मिली सफलता






नवभारत न्यूज

ग्वालियर, 8 अक्टूबर। सराफा बाजार में ग्राहक बनकर जेवरात चोरी करने वाले गिरोह के चार सदस्यों को कोतवाली थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए सभी आरोपी आपस में सगे भाई-बहन हैं। इन्हें पकड़ने के लिए पुलिस को 60 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने पड़े। पूछताछ में आरोपियों से चोरी की दो वारदातों का खुलासा हुआ है।

सीएसपी लश्कर किरण अहिरवार ने बताया कि चार दिन पहले कोतवाली थाना क्षेत्र के सराफा बाजार मोर गली स्थित दिव्यांश ज्वेलर्स की दुकान से एक महिला ग्राहक सोने के टॉप्स चोरी कर ले गई थी। दुकान संचालक की शिकायत पर मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज चेक करने पर पुलिस को अहम सुराग मिला। फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपियों का रूट तैयार किया तो वे मोतीझील की तरफ जाते हुए दिखाई दिए। इसके बाद पुलिस ने मोतीझील तक के रास्ते के लगभग 60 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे खंगाले। इस दौरान एक महिला की पहचान हुई, जिसे पुलिस ने पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपने अन्य साथियों के बारे में बताया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने द्वारकापुरी इलाके से तीन अन्य आरोपियों को भी हिरासत में ले लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान हेमा पत्नी धर्मेंद्र बरार, रेखा पत्नी योगेश बरार, अंकित पुत्र पटवारी बरार और रानी पत्नी राहुल बरार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार इनका तरीका यह था कि बहन दुकान पर जेवर दिखाने के लिए कहती थी और इसी दौरान भाई जेवर समेट कर चोरी कर ले जाता था। थाने लाकर पूछताछ करने पर आरोपियों ने दिव्यांश ज्वेलर्स से टॉप्स चोरी करने के अलावा एक अन्य वारदात भी कबूल की। आरोपियों ने जनवरी माह में सराफा बाजार स्थित प्रभु दयाल ज्वेलर्स की दुकान से सोने की चेन चोरी करना स्वीकार किया है। एसएसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि कोतवाली पुलिस ने सराफा दुकान में चोरी करने वाली गैंग को पकड़ा है।

चारों आरोपी भाई-बहन हैं। इनसे पूछताछ में दो घटनाओं का खुलासा हुआ है। पुलिस अब इनसे अन्य चोरी की वारदातों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है।

एमिटी में पर्यावरण और ऊर्जा पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित



नवभारत न्यूज

ग्वालियर, 8 अक्टूबर। एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के एप्लाइड फिजिक्स विभाग की ओर से 'एनर्जी एंड एनवायरनमेंटल एप्लीकेशंस के लिए फंक्शनल मैटेरियल्स में एडवांस टूल्स एंड टेक्नीक्स' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का ऑनलाइन आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य ऊर्जा और पर्यावरण के क्षेत्र में उपयोग होने वाले फंक्शनल मैटेरियल्स, उनकी कैरेक्टराइजेशन तकनीकों तथा शोध में उपयोग किए जाने वाले एडवांस टूल्स और तकनीकों से प्रतिभागियों को परिचित कराना रहा।

कार्यक्रम की शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। वर्कशॉप का परिचय प्रो. (डॉ.) पंकज कुमार मिश्रा, एचओडी, फिजिक्स ने दिया। कुलगुरु प्रो. (डॉ.) आर.एस. तोमर ने उद्घाटन संबोधन दिया एवं प्रो-चांसलर लेफ्टिनेंट जनरल वी.के. शर्मा, एवीएसएम (सेवानिवृत्त), ने भी अपने विचार साझा किए। मुख्य अतिथि प्रो. संजय तिवारी, कुलपति, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़ ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। वर्कशॉप के विभिन्न तकनीकी सत्रों में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से जुड़े विशेषज्ञों ने ऊर्जा, पर्यावरण, बैटरी, सेमीकंडक्टर मैटेरियल्स और रिसर्च से संबंधित आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी।

विभिन्न तकनीकी सत्रों में प्रो. (डॉ.) जय सिंह, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली ने एनवायरनमेंटल स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी, दूसरे सत्र में डॉ. प्रशांत शुक्ला, डॉ. हरिसिंह गौर सेंट्रल यूनिवर्सिटी, सागर ने रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी, डॉ. आशीष भटनागर, डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स एंड मैटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग, जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा ने बैटरी रिसर्च के लिए साइक्लिक वोल्टामेट्री: बेसिक्स से इंटरप्रिटेशन तक, डॉ. ऋषि शर्मा, प्रिंसिपल साइंटिस्ट, सीएसआईआर-सीईईआरआई, पिलानी, राजस्थान ने सेमीकंडक्टर मैटेरियल्स और डिवाइसेज की एडवांस कैरेक्टराइजेशन टेक्नीक्स पर विस्तार से जानकारी दी।

वर्कशॉप के दौरान प्रतिभागियों को ऊर्जा और पर्यावरण से जुड़े एडवांस रिसर्च टेक्निक्स को समझने के साथ-साथ उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी भी मिली। विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से जुड़े विशेषज्ञों की भागीदारी ने वर्कशॉप को शोध एवं अकादमिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बनाया। समापन सत्र में डॉ. निर्भय सिंह ने वर्कशॉप का सारांश प्रस्तुत किया। इसके बाद प्रो. (डॉ.) एम.पी. कौशिक, प्रो वाइस चांसलर (रिसर्च) ने समापन संबोधन दिया। प्रो. (डॉ.) मनीषा सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला के आयोजन में प्रो. (डॉ.) पंकज मिश्रा, विभागाध्यक्ष, एप्लाइड फिजिक्स, डॉ. मनीषा सिंह, कन्वीनर तथा डॉ. निर्भय सिंह, को-कन्वीनर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

समस्याओं का निराकरण आज

ग्वालियर 08 अक्टूबर। 'मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान' के तहत ग्वालियर जिले में जिला स्तरीय जन-विश्वास शिविर 09 अक्टूबर को प्रातः 10.30 बजे से कुलैथ में आयोजित होगा। शिविर शुरू होने से पहले विभिन्न विभागों के अधिकारी भ्रमण कर अपने-अपने विभाग की संस्थाओं का निरीक्षण करेंगे। जिला स्तरीय जन-विश्वास शिविर में जन संवाद, उद्योग एवं इन्फ्लुएंसर संवाद आयोजित किए जाएंगे। उद्योग संवाद में वृहद, एमएसएमई तथा कुटीर उद्योगों से जुड़े उद्यमी अपने अनुभव साझा करेंगे।



मिलावट के लिए दुकानों पर दबिश

खाद्य सुरक्षा एवं राजस्व विभाग के दल ने की कार्रवाई

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 08 अक्टूबर। खाद्य सुरक्षा विभाग के माध्यम से खाद्य पदार्थों की सेम्पलिंग के उपरांत अमानक पाए गए खाद्य पदार्थों पर जुर्माने की कार्रवाई की गई। जुर्माने की राशि जमा न करने पर पाँच व्यवसाइयों से 2 लाख 20 हजार रुपए की जुर्माना की राशि वसूल की गई है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर खाद्य विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों ने गुरुवार को पाँच संस्थानों की जाँच कर 2 लाख 20 हजार रुपए की राशि वसूल की है। उक्त राशि खाद्य पदार्थों के सेम्पल अमानक पाए जाने पर इनके विरूद्ध दण्ड स्वरूप आरोपित की गई थी।

जिन प्रतिष्ठानों से जुर्माना राशि जमा कराई गई है उनमें पंडित डेयरी राजपायगा रोड से एक लाख रुपए, श्रीराम स्वीट्स दाल बाजार पर आरोपित एक लाख रुपए, न्यू अपसरा रेस्टोरेंट नईसड़क से 50 हजार रुपए, न्यू पंजाब डेयरी दहीमंडी से 50 हजार की राशि जमा कराने के साथ ही शेष डेढ़ लाख रुपए की राशि 7 दिन में जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा सोड़ा वाटर फैक्ट्री मोतीझील से 10 हजार, मनीष डेयरी समाधिया कॉलोनी से 10 हजार राशि जुर्माने के रूप में जमा कराई गई है।

नवरात्रि : बाजारों और घरों में तैयारियां तेज, सजने लगे पंडाल



राशी भदौरिया

ग्वालियर, 08 अक्टूबर। नवरात्रि को लेकर शहर में तैयारियां जोर पकड़ने लगी हैं। पर्व को लेकर महाराज बाड़े से लेकर मुरार तक सभी मुख्य बाजारों में रौनक दिखने लगी है। वहीं घरों में भी माता रानी के स्वागत के लिए तैयारियां शुरू हो गई है। नवरात्रि के मद्देनजर बाजारों में दुकानदारों ने रंग-बिरंगी चुनरियां, माता की पोशाक, श्रृंगार सामग्री, पूजा की थाली, कलश, फूल-मालाएं और अन्य पूजन सामग्री दुकानों पर सजा दी है। इसके अलावा घरों और मंदिरों को सजाने के लिए आकर्षक लाइट, बंदनवार और सजावटी सामान भी बाज़ारों में उपलब्ध हैं। बाज़ारों में खरीदारी और सजावट की दुकानों पर लोगों की भीड़ बढ़ने लगी है। पिछले वर्ष के मुक़ाबले इस वर्ष माता रानी की पोशाक, चुनरी, आभूषण आदि की कीमतों में 20 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है जबकि सजावट के सामान की कीमतों में 20 से 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है।

घरों में शुरू हुई तैयारियां

बाजारों के साथ-साथ घरों में भी नवरात्रि की तैयारियां शुरू हो गई हैं। पर्व को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। लोग घरों की साफ-सफाई करने के साथ पूजा स्थल को सजाने में जुटे हैं। कई परिवारों ने माता की चौकी और कलश स्थापना के लिए स्थान तैयार करना शुरू कर दिया है। नवरात्रि के दौरान नौ दिनों तक मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा को लेकर विशेष तैयारियां की गई हैं। कई घरों में अखंड ज्योत, हवन और दुर्गा सप्तशती पाठ की व्यवस्था भी की जा रही हैं।

मां के स्वागत के लिए सजने लगे पंडाल

पितृ पक्ष खत्म होते ही शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो जाएगी। विभिन्न इलाकों में माता रानी के स्वागत के लिए पंडालों को सजाने का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है। आकर्षक सजावट, रंग-बिरंगी लाइटिंग और फूलों से पंडालों को भव्य रूप दिया जा रहा है। कहीं पारंपरिक शैली में तो कहीं आकर्षक थीम पर पंडाल तैयार किए जा रहे हैं ताकि नौ दिनों तक मां यहां विराजमान होकर अपने भक्तों को आशीर्वाद दे सके। नौ दिन पंडालों में मां की विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं गरबा और डांडिया प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा।

इनका कहना है



पितृ पक्ष के बावजूद ग्राहक माता के वस्त्र और आभूषण खरीदने आ रहे है लेकिन कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी होने से कीमतों में 20 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है जिससे बिक्री पर थोड़ा असर पड़ा है। **-नरेंद्र गोयल** (दुकानदार)



मैं हर वर्ष नवरात्रि के नौ दिन व्रत रखती हूँ। इस दौरान घर के मंदिर को सजाकर श्रद्धाभाव से माता की पूजा एवं श्रृंगार करती हूँ और घर के मंदिर में अखंड ज्योत भी जलाती हूँ।

-मुन्नी शिवहरे (गृहिणी)

विक्रांत यूनिवर्सिटी को शिक्षा के क्षेत्र में मिला 3.5 स्टार



नवभारत न्यूज

ग्वालियर, 8 अक्टूबर। विक्रांत यूनिवर्सिटी एवं ग्वालियर अंचल के लिए बड़े हर्ष एवं गर्व की बात है कि यूनिवर्सिटी ने ग्वालियर संभाग के अन्य निजी विश्वविद्यालयों को पीछे छोड़ते हुए पिछले वर्ष 2023-24 के बाद पुनः एक बार शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल द्वारा 3.5 स्टार रेटिंग हासिल की है।

यूनिवर्सिटी के लिए लगातार दूसरे वर्ष 3.5 स्टार रेटिंग प्राप्त करने की उपलब्धि है। विश्वविद्यालय को यह सम्मान नवाचार, रचनात्मकता, शोधकार्य, उद्यमिता एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे निरंतर सराहनीय प्रयासों के लिए दिया गया है। इस उपलब्धि के लिए विक्रांत यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति राकेश सिंह राठौर, समकुलाधिपति विक्रांत सिंह राठौर, रजिस्ट्रार डॉ. ऋचा वर्मा, डीन एकेडमिक्स डॉ. आनंद कुमार बिसेन, डायरेक्टर रिसर्च एंड डेवलपमेंट विभाग डॉ. वीरनारायण ने इस उपलब्धि के लिए सभी विभाग प्रमुखों का आभार माना है।

संघर्ष, कमियां और सवाल जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा

आईटीएम ग्वालियर में हुआ 'टेडएक्स टॉक-2026' का आयोजन



नवभारत न्यूज

ग्वालियर 8 अक्टूबर। आईटीएम ग्वालियर में टेडेक्स टॉक-2026 का आयोजन किया गया। आईटीएम सिथौली परिसर स्थित राम मनोहर लोहिया सभागार में आयोजित टेडेक्स टॉक-2026 में स्पीकर (वक्ता) के रूप में मनीष पुष्कले (अग्रणी समकालीन कलाकार, एस.एच. रजा के शिष्य और प्रशिक्षित भूविज्ञानी), रिशु शर्मा (सीनियर डायरेक्टर, काउंसिलिंग एंड स्ट्रेटेजी, बिरला सॉफ्ट एजेंटिंक एआई एडवाइजर), सर्वप्रिया सांगवान (बीबीसी जर्नलिस्ट) और टी.जे. भानु (भारतीय अभिनेत्री और निर्माता) शामिल हुईं। इस अवसर पर आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर की चांसलर श्रीमती रुचि सिंह, प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान, वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ. योगेश उपाध्याय, रजिस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंह, आईटीएम ग्वालियर की डायरेक्टर डॉ. मीनाक्षी मजूमदार, डीन एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, आईटीएम ग्वालियर सिथौली परिसर के इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. श्याम बाबू सिंह जो कि टेएड के ऑफिसियल लाइसेंसी हैं, सहित विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, डीन प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राएं शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन और आभार प्रदर्शन कशिश तोमर द्वारा किया गया।

आईटीएम ग्वालियर में आयोजित टेडेक्स टॉक-2026 के अवसर पर स्पीकर (वक्ता) मनीष पुष्कले (अग्रणी समकालीन कलाकार, एस.एच. रजा के शिष्य और प्रशिक्षित भूविज्ञानी) द्वारा डेटोर देट इज माई डेस्टिनी' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि संघर्ष, कमियां और सवाल जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। व्यवस्था हमें सवालों के उत्तर तलाशना सिखाती है, जबकि कला हमें सवालों के साथ बने रहना सिखाती है।

स्पीकर (वक्ता) सर्वप्रिया सांगवान (बीबीसी जर्नलिस्ट) टी.जे. भानु (भारतीय अभिनेत्री और निर्माता) रिशु शर्मा (सीनियर डायरेक्टर, काउंसिलिंग एंड स्ट्रेटेजी, बिरला सॉफ्ट एजेंटिंक एआई एडवाइजर) ने भी संबोधित किया।

छात्र-छात्राओं ने पूछे सवाल, आईटीएम ग्वालियर में आयोजित टेडेक्स टॉक-2026 के अवसर पर सवाल-जवाब सत्र का आयोजन भी किया गया। जहां छात्रा अपराजिता (एमबीए), छात्रा मेघना शर्मा (एमबीए थर्ड ईयर), छात्र आशुतोष कुमार (बीटेक सेकेंड ईयर), छात्र आदित्य जैन (एमबीए सेकेंड ईयर) सहित अन्य छात्र-छात्राओं ने अतिथि वक्ताओं से संबंधित विषयों पर सवाल पूछे। वहीं कार्यक्रम में आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर की चांसलर श्रीमती रुचि सिंह, प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान, वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ. योगेश उपाध्याय, एवं रजिस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंह द्वारा अतिथि वक्ताओं ने स्मृति चिन्ह भेंट किए।

अच्छे जीवन के लिए क्वालिटी विजन जरूरी : डॉ. भसीन

विश्व दृष्टि दिवस : डॉ. पुरेन्द्र-प्रियम्वदा भसीन ने साझा की जानकारी



नवभारत न्यूज

ग्वालियर, 8 अक्टूबर। दुनिया में आज भी कम से कम 2.2 अरब लोग दूर या पास की कमजोर दृष्टि के साथ जीवन जी रहे हैं। इनमें करीब 1 अरब मामलों में दृष्टि संबंधी समस्या को रोका जा सकता था। ऐसे में आंखों में बीमारी के लक्षण आने का इंतजार करने के बजाय समय पर आंखों की जांच कराना जरूरी है।

ये जानकारी विश्व दृष्टि दिवस पर रतन ज्योति नेत्रालय के चेयरमैन डॉ. पुरेन्द्र भसीन एवं मेडिकल डायरेक्टर डॉ. प्रियंवदा भसीन ने लोगों को आंखों की नियमित जांच और क्वालिटी विजन के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से दी। डॉ. पुरेन्द्र भसीन ने बताया कि धुंधला दिखाई देना, रात में देखने में परेशानी, रोशनी के चारों ओर ग्लेयर या हेलोस दिखाई देना, पढ़ने में कठिनाई अथवा बार-बार चश्मे का नंबर बदलना मोतियाबिंद के संकेत हो सकते हैं। इन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। वर्तमान दौर में रीफ्रैक्टिव सर्जरी ने मोतियाबिंद के उपचार को आधुनिक और आसान बनाया है। उन्होंने कहा कि कालापानी (ग्लूकोमा) गंभीर बीमारी है, क्योंकि शुरुआती अवस्था में अक्सर इसके स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते। जब तक दृष्टि में कमी महसूस होती है, तब तक ऑप्टिक नर्व को नुकसान हो सकता है। इसलिए साफ दिखाई देने पर भी नियमित जांच जरूरी है। उन्होंने बताया कि रतन ज्योति नेत्रालय पिछले 31 वर्षों से नेत्र रोग उपचार एवं क्वालिटी विजन के लिए सेवाएं दे रहा है। यहां एक ही छत के नीचे विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हैं।

डायबिटीज और मायोपिया में भी रखें आंखों का ध्यान

डॉ. प्रियंवदा भसीन ने बताया कि अनियंत्रित डायबिटीज रेटिना सहित शरीर के कई अंगों को प्रभावित कर सकती है। डायबिटिक रेटिनोपैथी में शुरुआती पहचान और समय पर उपचार विजन लॉस को रोकने में महत्वपूर्ण है। बच्चों और युवाओं में मायोपिया भी केवल चश्मे के नंबर की समस्या नहीं है। दूर की वस्तु धुंधली दिखना, बोर्ड देखने में परेशानी, मोबाइल या टीवी पास से देखना और बार-बार आंखें सिकोड़ना इसके संकेत हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि क्वालिटी विजन के बिना क्वालिटी लाइफस्टाइल का अनुभव नहीं किया जा सकता।

पेयजल गुणवत्ता की सघन निगरानी, 601 नमूने पास

नवभारत न्यूज

ग्वालियर, 8 अक्टूबर। यात्रियों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए झांसी रेल मंडल में जल गुणवत्ता की नियमित जांच की जा रही है। मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार के निर्देशन में मंडल के विभिन्न स्टेशनों और परिसरों में पेयजल व्यवस्था की सतत निगरानी की जा रही है। निर्धारित मानकों के अनुसार पानी की जांच कराई जा रही है।

रेल प्रशासन के अनुसार 1 से 7 अक्टूबर के बीच मंडल में कुल 601 जल नमूनों की जांच की गई। सभी नमूने जांच में पास पाए गए, जिनका सफलता प्रतिशत 100 रहा। इसके अलावा 4 नमूनों की बैक्टीरियोलॉजिकल जांच भी की गई, जो मानकों के अनुरूप पाए गए। अधिकारियों ने बताया कि अवशिष्ट क्लोरीन जांच से पानी में क्लोरीनीकरण की स्थिति देखी जाती है, जबकि बैक्टीरियोलॉजिकल जांच से सूक्ष्मजीवों की मौजूदगी परखी जाती है।

मंडल के स्टेशनों पर लगे नल, वाटर कूलर, जल भंडारण टंकियों और अन्य स्रोतों से नमूने लिए जा रहे हैं। टंकियों की नियमित सफाई, क्लोरीनेशन और पेयजल स्थलों के आसपास स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मानकों पर खरे न उतरने वाले स्रोतों पर संबंधित विभागों द्वारा सुधारात्मक कार्रवाई की जा रही है।

नगर निगम ने चलाया सफाई अभियान



नवभारत न्यूज

ग्वालियर 08 अक्टूबर। नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर के सौंदर्यीकरण और हरित क्षेत्र को व्यवस्थित एवं आकर्षक बनाने के उद्देश्य से पार्क विभाग के माध्यम से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देशन में डिवाइडरों, सड़क किनारे स्थित हरित पट्टियों एवं फुटपाथ क्षेत्रों की साफ-सफाई, पेड़-पौधों की छंटाई तथा अनावश्यक रूप से उगी गाजरघास को हटाने का कार्य प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है।

यह अभियान अपर आयुक्त श्री प्रदीप सिंह तोमर, उपायुक्त श्री मुकेश बंसल एवं पार्क अधीक्षक श्री भूपेंद्र सासोड़े के निर्देशन में दलों के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। उद्यान निरीक्षक राजकुमार सिंह राजावत द्वारा जेल रोड डिवाइडर एवं रोड किनारे झाड़ियों एवं धूल को साफ किया गया। इसके साथ ही उद्यान पर्यवेक्षक श्री दिनेश कुशवाहा द्वारा भिंड रोड डिवाइडर एवं रोड किनारे झाड़ियों को साफ किया। उद्यान पर्यवेक्षक सुभाष शाक्य द्वारा महादजी सिंधिया गोलंबर से कटोरा ताल की ओर रोड डिवाइडर की ओर रोड को साथ किया। साथ ही उद्यान पर्यवेक्षक श्री राजकुमार नागर द्वारा डीबी सिटी से बेटी बचाओ चौराहा तक रोड डिवाइडर एवं रोड किनारों को साथ किया गया। इसके साथ ही उद्यान पर्यवेक्षक श्री रवि पाराशर द्वारा शिवपुरी लिंक रोड स्थित शीतला माता रोड पर साफ सफाई कराई गई।

भितरवार पुलिस ने रतलाम से नाबालिग को बरामद किया

नवभारत न्यूज

ग्वालियर, 8 अक्टूबर। ऑपरेशन मुस्कान के तहत भितरवार थाना पुलिस ने घर से लापता नाबालिग को रतलाम से सकुशल बरामद किया है।

पुलिस के मुताबिक 16 सितंबर को भितरवार निवासी रणधीर सिंह (परिवर्तित नाम) ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी 17 साल 6 माह की बेटी 15 सितंबर की रात घर से बिना बताए चली गई है। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन पता नहीं चला। आशंका जताई कि कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर ले गया है। रिपोर्ट पर थाना भितरवार में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जयराज कुबेर के आदेश पर एसडीओपी भितरवार गगन हनवत के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी दीपेन्द्र सिंह कुशवाह के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी सेल और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। पुलिस ने ग्राम कडारिया, बरखेड़ा में एक किराए के मकान में दबिश देकर नाबालिग को दस्तयाब कर लिया। पुलिस कथन के आधार पर अग्रिम कार्रवाई कर रही है।



